

नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

विश्व मंच पर अलग-थलग पड़ा अमेरिका

अनुमति न देना एक असाधारण घटना है. यह केवल एक सामरिक निर्णय नहीं, बल्कि कूटनीतिक संकेत भी है कि यूरोप अब आखिरी मूड़कर अमेरिका का समर्थन करने को तैयार नहीं है.

इसी संदर्भ में बुधवार को लंदन में आयोजित लगभग 40 देशों की वृत्तुअल बैठक भी महत्वपूर्ण है. ब्रिटेन की पहल पर हुई इस बैठक में भारत, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों ने भाग लिया, लेकिन अमेरिका की अनुपस्थिति ने कई सवाल खड़े कर दिए. यह बैठक उस समय हुई जब होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग की सुरक्षा एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है. टंप का यह बयान कि इस जलमार्ग को सुरक्षित रखना अमेरिका की जिम्मेदारी नहीं है, उनकी विदेश नीति के बदलते

दृष्टिकोण को दर्शाता है. 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति के तहत वे वैश्विक जिम्मेदारियों से पीछे हटते नजर आ रहे हैं. हालांकि यह दृष्टिकोण धरेरू राजनीति में लोकप्रिय हो सकता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इससे अमेरिका की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है.

चीन ने भी इस स्थिति का लाभ उठाते हुए अपनी कूटनीतिक सक्रियता बढ़ा दी है. उसके विदेश मंत्री वांग यी ने स्पष्ट किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य की अस्थिरता ईरान युद्ध का परिणाम है और इसका समाधान केवल युद्धविराम में निहित है. चीन का यह संतुलित और संवाद आधारित रुख उसे एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है, जबकि अमेरिका की अनुपस्थिति उसकी छवि को कमजोर करती है.

भारत जैसे देश इस बदलते परिदृश्य में

संतुलित भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे हैं. लंदन बैठक में भारत की भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग सुरक्षा पर उसका स्पष्ट रुख यह दर्शाता है कि वह अब केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक मुद्दों पर भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है.

यह पूरी स्थिति एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के उभरने का संकेत देती है, जहां शक्ति का केंद्र केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रह गया है. यूरोप, चीन, भारत और अन्य क्षेत्रीय शक्तियां अब अपने-अपने हितों के अनुसार निर्णय ले रही हैं. जाहिर है यह कहना गलत नहीं होगा कि डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों ने अमेरिका को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है, जहां उसे अपने वैश्विक नेतृत्व की भूमिका पर पुनर्विचार करना होगा. यदि अमेरिका इसी तरह अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों से पीछे हटता रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब विश्व राजनीति में उसकी केंद्रीय भूमिका इतिहास का हिस्सा बन जाएगी.

मध्य क्षेत्र की डायरी

कानून व्यवस्था पर सवाल



दिलीप झा

मध्य प्रदेश में आए दिन हत्या, चाकूबाजी और साइबर टगी जैसी घटनाओं में लगातार वृद्धि की वजह लोगों ने यह कहना शुरू कर दिया है कि सरकार के साथ से कानून व्यवस्था फिसलती जा रही है

जबकि कानून राज को बनाए रखना शासन प्रशासन की जिम्मेदारी है. 30 मार्च को दिनदहाड़े भोपाल में होटल संचालक की चाकू मारकर हत्या, रायसेन में सरपंच पति की गोली मारकर और उसी दिन छतरपुर में कुल्हाड़ी से काटकर युवक की हत्या, इस बात को तस्दीक करती हमारा सिस्टम लुंजपुंज हो गया है और अपराधियों के हासिले बुलंद हैं.

अगर राजधानी में सरेआम किसी होटल संचालक की बदमाश गोली मारकर हत्या कर दें तो सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े होंगे कि आखिर पुलिस का इकबाल खत्म हो गया क्या? समाज में पुलिस का खौफ होना निहायत जरूरी है।



भोपाल के अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में बदमाश आसिफ बम ने अपने दो अन्य साथियों के साथ चाय दुकान चलाने वाले विजय मेवाड़ा की हत्या कर दहशत फैला दी और वह फरार हो गया. हिंदू संगठनों के नेताओं ने थाना का घेराव किया तो पुलिस हरकत में आई और दो आरोपियों को कुछ घंटे बाद ही दबोच लिया लेकिन मुख्य आरोपी को पुलिस ने तीन दिन बाद रातीबड़ से शॉर्ट एनकाउंटर करके गिरफ्तार किया है. आरोपी आसिफ बम ने पुलिस को दिए बयान में कहा है कि चाय वाले को उसने नशे में चाकू मार दिया. सबसे बड़ा सवाल उठता है कि मृतक विजय का परिवार इसके लिए किसे दोषी ठहराए- सरकार या लुंजपुंज पुलिस सिस्टम को, जो हमारी सुरक्षा के लिए बनाया गया है.

यह सर्वविदित है कि अपराधियों के मसूबे को नियंत्रित करना दूर की कौड़ी है. सूत्र बताते हैं कि जब जब हमारी पुलिस अपराधियों पर अंकुश लगाने की कोशिश करती है तो उन्हें राजनैतिक हलकों से दबावों का सामना करना पड़ता है इसमें कितनी सच्चाई है, भगवान जाने लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि अगर पुलिस प्रशासन चलाने का यही तौर तरीका रहा तो फिर अपराधियों के हासिले बुलंद ही रहेंगे?

ऐसा प्रतीत होता है कि अपराधियों में पुलिस का खौफ खत्म हो गया है। सूत्र बताते

दतिया में भाजपा पार्षद की गोली मारकर हत्या

30 मार्च को ही दतिया शहर में भारतीय जनता पार्टी के पार्षद कल्लू कुशावाहा की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी. घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल उत्पन्न हो गया है. यह घटना उस समय हुई जब वे मंदिर से लौट रहे थे. सेवड़ा चुंगी के पास, 5-6 बदमाशों के एक समूह ने जो घात लगाकर बेटे उन्हे घेर लिया और अंधाधुंध गोलियां चलाई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई. चरमदीयों और स्थानीय निवासियों का आरोप है कि अपराध स्थल के वेहद करीब पुलिस चौकी होने के बावजूद, पुलिस बल आधे घंटे की देरी से मौके पर पहुंचा. इस दौरान पार्षद का शव सड़क पर ही पड़ा रहा, जिससे लोगों का गुस्सा भड़क उठा. पार्षद कल्लू कुशावाहा ने अपनी चोटों के कारण दम तोड़ दिया और उनकी यह घटना एक भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई, जिसने सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. बताया जा रहा है कि पार्षद का शव घटनास्थल पर लगभग आधे घंटे तक पड़ा रहा. पास में ही पुलिस चौकी होने के बावजूद पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर नहीं पहुंच पाए, जिससे स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश फैल गया. कहने का आशय यह है कि पुलिस मुस्तेद नहीं है. आखिर हमारी पुलिस व्यवस्था कब सुचारु होगी, यह शहर के प्रबुद्ध लोग सरकार से पूछते हैं.



साइबर अपराध और डेटा चोरी



ओजस्कर पाण्डेय

डिजिटल क्रांति ने मानव जीवन को अभूतपूर्व गति और सुविधा प्रदान की है. आज बैंकिंग से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य से लेकर शासन तक लगभग हर क्षेत्र इंटरनेट और डिजिटल तकनीक पर निर्भर हो चुका है. मोबाइल फोन और इंटरनेट की पहुंच ने आम आदमी को वैश्विक दुनिया से जोड़ दिया है. परंतु इस चमकदार डिजिटल विकास के पीछे एक काला पक्ष भी उभर कर सामने आया है—साइबर अपराध और डेटा चोरी. यह समस्या अब केवल तकनीकी नहीं रही, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा का गंभीर मुद्दा बन चुकी है.

साइबर अपराध मूलतः वे अपराध हैं जो कंप्यूटर, इंटरनेट या डिजिटल उपकरणों के माध्यम से किए जाते हैं. डेटा चोरी इसका सबसे खतरनाक रूप है, जिसमें किसी व्यक्ति, संस्था या सरकार की संवेदनशील जानकारी को बिना अनुमति के चुरा लिया जाता है. आज के समय में डेटा को 'नया तेल' कहा जाता है, क्योंकि यह अत्यधिक मूल्यवान संसाधन बन चुका है. ऐसे में डेटा चोरी केवल व्यक्तिगत निजता का उल्लंघन नहीं, बल्कि आर्थिक और रणनीतिक

डिजिटल युग की अदृश्य चुनौती

साइबर अपराध और डेटा चोरी के प्रभाव बहुआयामी हैं. व्यक्तिगत स्तर पर यह आर्थिक हानि, मानसिक तनाव और सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाता है. संस्थागत स्तर पर डेटा चोरी से कंपनियों की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा जाता है और उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है. राष्ट्रीय स्तर पर यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, क्योंकि संवेदनशील सरकारी डेटा की चोरी से देश की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो सकता है. साइबर जासूसी और साइबर युद्ध जैसे नए आयाम इस खतरे को और अधिक जटिल बना रहे हैं. डिजिटल भारत का सपना तभी साकार हो सकता है, जब उसके नागरिक सुरक्षित महसूस करें और उनकी जानकारी सुरक्षित रहे. इसलिए, समय की मांग है कि हम साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता दें और एक सुरक्षित, भरोसेमंद डिजिटल वातावरण का निर्माण करें. तभी तकनीकी प्रगति वास्तव में मानव कल्याण का माध्यम बन सकेगी, न कि उसके लिए एक नया खतरा.

नुकसान का भी कारण बनती है. भारत जैसे देश में, जहाँ डिजिटल इंडिया अभियान के तहत तेजी से डिजिटलीकरण हो रहा है, साइबर अपराधों की घटनाओं में भी समान रूप से वृद्धि देखी जा रही है. ऑनलाइन बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग ने आम नागरिक को डिजिटल रूप से सक्षम तो बनाया है, लेकिन साथ ही उसे साइबर टगों के निशाने पर भी ला दिया है. अक्सर समाचारों में यह देखने को मिलता है कि किसी व्यक्ति के बैंक खाते से लाखों रुपये गायब हो गए या किसी कंपनी का डेटा हक होकर लीक हो गया. यह स्थिति दर्शाती है कि डिजिटल सशक्तिकरण के साथ-साथ साइबर सुरक्षा की तैयारी उतनी मजबूत नहीं हो पाई है. साइबर अपराधों का स्वरूप अत्यंत विविध

समझना है, तो इसके पीछे के ठोस डेटा, ट्रेंड और केस स्टडी को देखना जरूरी है. भारत में साइबर अपराधों की स्थिति लगातार चिंताजनक होती जा रही है. नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में देश में लगभग 65,000 से अधिक साइबर अपराध के मामले दर्ज किए गए, जो 2021 की तुलना में लगभग 24 प्रतिशत अधिक थे. 2023-24 के अनौपचारिक अनुमानों के अनुसार यह संख्या 80,000-90,000 के बीच पहुंच चुकी है.

विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है, क्योंकि कई मामले रिपोर्ट ही नहीं होते. वित्तीय नुकसान के संदर्भ में स्थिति और भी गंभीर है. भारतीय साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के अनुसार, 2023 में साइबर धोखाधड़ी से लोगों को लगभग 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ. विशेष रूप से ऑनलाइन शॉपिंग से जुड़े फ्राड तेजी से बढ़े हैं. केवल 2022-23 के दौरान यूपीआई से हुए धोखाधड़ी के मामले 70 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई. वैश्विक स्तर पर भी डेटा चोरी एक बड़ा संकट बन चुका है. इससे स्पष्ट है कि डेटा चोरी केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि आर्थिक संकट भी है. एक अन्य महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि डेटा ब्रीच का पता लगाने और उसे नियंत्रित करने में औसतन 200 से 300 दिन तक का समय लग जाता है.

बुजुर्गों के प्रति सरकार व समाज की नीति क्या हो?

यद्यपि भारत युवाओं का देश है, लेकिन फिर भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं व रहन-सहन के तरीकों में बदलाव की वजह से बुजुर्गों की आबादी बढ़ती जा रही है. वृद्धावस्था में रोग प्रतिकार क्षमता घट जाती है. ऐसे मरीजों की स्वास्थ्य समस्याओं पर ध्यान देने के लिए जैरियाट्रिक स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की जरूरत पड़ती है. बुजुर्गों को इन्फेक्शन या संक्रमण से बचाने के लिए पूरी सावधानी रखनी चाहिए. क्योंकि यह उनके लिए खतरनाक साबित हो सकता है. अधिक अन्न के लोगों की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं. शाकाहारी लोगों में कैल्शियम, विटामिन बी-12 की कमी पाई जाती है. जोड़ों का दर्द परेशान करने लगता है. शरीर स्थूल होने पर घुटनों पर अधिक भार आता है. चलते समय संतुलन बिगड़ने का खतरा बना रहता है. फॉल या गिरना जानलेवा साबित हो सकता है. ऐसे व्यक्तियों को छोड़ी या वॉकर का सहारा लेकर चलना

चाहिए. उन्हें नियमित हेल्थ चेकअप कराते हुए अपने ब्लडप्रेशर व शुगर लेवल की जानकारी रखनी चाहिए. डॉक्टरों की देखरेख की उन्हें विशेष आवश्यकता होती है. जो लोग असाध्य या लाइलाज बीमारी से पीड़ित हैं, उन्हें पैलिएटिव केयर की जरूरत है. कोलेस्ट्रॉल व किडनी की समस्या भी कॉमन हो गई है. इसलिए कम खर्च में अच्छे इलाज की सुविधा उपलब्ध कराना आवश्यक है. ऐसी योजनाओं का लाभ सीनियर सिटीजनस को पहुंचाने की ओर सामाजिक संगठनों को ध्यान देना होगा. अकेलापन बुजुर्गों के मन में शून्यता भर देता है, इसलिए उन्हें अपनी रुचि का काम करने व मेलजोल के लिए प्रोत्साहित करना जरूरी है. उस बढ़ने पर भी जो लोग सक्रिय रहते हैं, उनका मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य ठीक रहता है. सरकार व समाज को इस बारे में संवेदनशील रहना चाहिए.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12218 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4	5
6	7	8	9	
10	11	12		
			13	
14	15	16		
17		18		
	19		20	21
		22	23	

सम्पति 7. एकत्र, इकट्ठा, सब मिलाकर 9. आतुर होना 11. पारा, शृंगार रस 12. उत्कट कामना, लालसा 13. कृष्ण, कान्हा 14. राजा नल की पत्नी 15. तकलीफ, कष्ट (उर्दू) 18. प्रियतम, पति, नायक 20. हॉट (उर्दू) 21. पहरा, घूमना (उर्दू)

Solution 12217

श्री	त	क	र	नि	ध	न
र	ला	स	क	मा	हा	
मा	सू	म	हा	हा	का	र
ल	त	चो	र	स		
	शं	ख		पा	त	
	स	पा	ट	व	या	नी
पा	ला	वा	र	दा	त	
सा	म	ना	ल	र	व	

बाएं से दाएं

- मृत्यु, मरण 3. चेरया का महफिल में बैठकर गाना 6. धूल, गर्द, पराग, आतव (सं.) 8. स्थिर, स्थापित, निश्चित (उर्दू) 10. टेक्स कलेक्टर 13. मूल्य 14. लंबा, दीर्घ, तवील (उर्दू) 16. प्रशंसा 17. धर्म (उर्दू) 19. महीन सूती कपड़ा 22. अंधकार, अंधेरा (सं.) 23. स्वर्ग (उर्दू)

ऊपर से नीचे

- एक यदुवंशी राजा जिनकी पुत्री देवकी से कृष्ण उत्पन्न हुए थे (सं.) 2. करुणा, दया, रहम (उर्दू) 4. इंडोनेशिया की राजधानी 5. सलाह,

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में सप्ता पक्ष से सुख मिलेगा. भाईयों का सहयोग व्यापार व्यवसाय में वृद्धि होगी. वर्ष के मध्य में राजनीति में अत्याधिक परिश्रम के कारण कष्ट होगा. मित्र के साथ व्यर्थ वाद विवाद के कारण मन व्यथित रहेगा. वर्ष के अन्त में शासन सत्ता से लाभ होगा. स्वजनों से सहयोग व अनुभव होंगे.

मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियोंका नवीन योजनाओं में पूंजी निवेश होगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को शासन से लाभ होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को सप्ता पक्ष से सुख मिलेगा. सिंह राशि के व्यक्तियोंको स्वजनों से सहयोग नवीन अनुभव होंगे. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को अत्याधिक परिश्रम करना पड़ेगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को मित्र के साथ व्यर्थ वाद विवाद से मन व्यथित रहेगा. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को परिश्रम की अधिकता रहेगी.

मेघ- कार्यक्षेत्र की उलझने दूर होंगे, आय के साधन बढ़ेंगे धार्मिक प्रवास होगा. यातायात के साधनों में वृद्धि होगी. नवीन कार्य योजना बनेगी.

वृषभ- भाग्य के भरोसे रहे तो अच्छे अवसर गंवा देंगे, मनमौजी रचैया तरकी में बाधक होगा, वाहन चलाते समय सावधानी रखें, चोट चपेट आदि से कष्ट होगा.

मिथुन- लोगों को अपनी बात समझाने का प्रयास, भावुकता पर नियंत्रण रखें, जवृश्चिक जायजाद प्रापदों आदि की प्राप्ति होगी. उच्च अध्ययन के लिये यात्रा होगी.

कर्क- नई योजनाओं की शुरुआत में परेशानी होगी, उच्च अध्ययन के लिये यात्रा होगी, किसी पुराने व्यक्ति से काम की योजना बनेगी, धार्मिक कार्यों में रूचि रहेगी.

सिंह- अधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त होगा, आर्थिक योजनाओं में वृद्धि होगी, दूर दराज की यात्रा करना होगा, नवीन कार्य प्रारंभ होगा.

कन्या- विवादों के कारण कर्ज लेना पड़ सकता है, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी, भावुकता के कारण दाम्पत्य जीवन में परेशानी हो सकती है.

तुला- जन्मदिन में किये फैसेले बदलने पड़ सकते हैं, नये संपर्कों से लाभ होगा, नियोजित कार्य पूरा होने से मन में हर्ष होगा, अतिथि आगमन होगा.

वृश्चिक- जटिल कार्य सहज में ही पूरे होंगे, जिम्मेदारी से व्यस्तता बढ़ जायेगी, पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा, आय का नया साधन उपलब्ध हो सकता है.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वाभाव से चंचल, मिलनसार होगा, ईश्वर तथा गुरुजनों का भक्त होगा, संतान की संख्या अधिक होगी, लेखन, एवं साहित्य का संग्रह करेगा, नौकरी में विशेष तरक्की होगी, माता पिता को सुखी रखेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

8	के.7 मू.	6	5
9	चं.7 मू.	3	
10	रा.	4	
11	1	मं. 3	
12	रू.	2	

पंचांग

रा.मि. 14 संवत् 2083 वैशाख कृष्ण द्वितीया शनिवासरें दिन 8/27, स्वाती नक्षत्रें रात 8/7, हर्षण योगे दिन 1/6, गर करणे सू.उ. 5/50, सू.अ. 6/10, चन्द्रचार तुला, शु.रा. 7, 9, 10, 1, 2, 5 अ.रा. 8, 11, 12, 3, 4, 6 शुभांक- 9, 2, 6.

त्यापार भविष्य

वैशाख कृष्ण द्वितीया को स्वाती नक्षत्र के प्रभाव से गुड्ड, खांड, नमक, चावल, रूई, के भाव में चढ़ाव के साथ उतार आयेगा, जीरा, के भाव में स्थिति यथावत रहेगी, सोना, चांदी, के भाव में मंदी का योग है, भाग्यांक 2565 है.

SUDOKU 7350

5	9		3			8	7
8	7		1	5			
		2		9			4
6			2		3	5	
3	8	4	1	7		2	9
2	4	6			1		
7		3		8			
9	3		2		8	7	3
					6	1	

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरने वाले आवश्यक् है. इनका क्रमवार होना आवश्यक् नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. पहली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-टोको 7349

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7